1080516 - A1

विद्यार्थी उत्तर-पुस्तिका में मुख पृष्ठ पर कोड नं. अवश्य लिखें।

Class - X
कक्षा - X

HINDI
हिन्दी

(Course B)
(पाठ्यक्रम ब)

निर्धारित समय : **3** घंटे] [अधिकतम अंक : **80**

- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में मुद्रित पृष्ठ **12** हैं।
- प्रश्न-पत्र में बाएँ हाथ की ओर दिए गए कोड नम्बर को छात्र उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर लिखें।
- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में 18 प्रश्न हैं।
- कृपया प्रश्न का उत्तर लिखना शुरू करने से पहले, प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें।
- इस प्रश्न-पत्र को पढ़ने के लिए 15 मिनट का समय दिया गया है। इस अवधि के दौरान छात्र केवल प्रश्न-पत्र को पढ़ेंगे और वे उत्तर-पुस्तिका पर कोई उत्तर नहीं लिखेंगे।

निर्देश :

(i) इस प्रश्न-पत्र के **चार** खंड हैं — **क, ख, ग** और **घ**।

(ii) चारों खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना **अनिवार्य** है।

(iii) यथासंभव प्रत्येक खंड के उत्तर क्रमानुसार दीजिए।

खंड - 'क'

1. अपठित गद्यांश : 5

वास्तव में मनुष्य स्वयं को देख नहीं पाता। उसके नेत्र दूसरों के चरित्र को देखते हैं, उसका हृदय दूसरों के दोषों को अनुभव करता है। उसकी वाणी दूसरों के अवगुणों का विश्लेषण कर सकती है, किंतु उसका अपना चरित्र, उसके अपने दोष एवम् उसके अवगुण, मिथ्याभिमान और आत्म - गौरव के काले आवरण में इस प्रकार प्रच्छन्न रहते है कि जीवन-पर्यंत उसे दृष्टिगोचर ही नहीं हो पाते। इसीलिए मनुष्य स्वयं को सर्वगुण-संपन्न देवता समझ बैठता है। व्यक्ति स्वयं के द्वारा जितना छला जाता है, उतना किसी अन्य के द्वारा नहीं। आत्मविश्लेषण कोई सहज कार्य नहीं। इसके लिए उदारता, सहनशीलता एवम् महानता की आवश्यकता होती है। इसका तात्पर्य यह नहीं है कि आत्मविश्लेषण मनुष्य कर ही नहीं सकता। अपने गुणों-अवगुणों की अनुभूति मनुष्य को सदैव रहती है। अपने दोषों से वह हर पल अवगत रहता है, किंतु अपने दोषों को मानने के लिए तैयार न रहना ही उसकी दुर्बलता होती है और यही उसे आत्मविश्लेषण की क्षमता नहीं दे पाती। उसमें इतनी उदारता और हृदय की विशालता ही नहीं होती कि वह अपने दोषों को स्वयं देखकर कर सके। इसके विपरीत पर-निंदा एवम् पर-दोष - दर्शन में अपना कुछ नहीं बिगड़ता, उल्टे मनुष्य आनन्द अनुभव करता है, परंतु आत्म विश्लेषण करके अपने दोष देखने से मनुष्य के अहंकार को चोट पहुँचती है।

उपर्युक्त गद्यांश को पढ़कर सही विकल्प को चुनकर लिखिए :-

(क) मनुष्य स्वयं को देख पाने में असमर्थ है क्योंकि - 1

(i) वह स्वयं को देखना नहीं चाहता

(ii) वह दूसरों में दोष ढूँढता है

(iii) केवल अहंकार के कारण दोषों को नहीं देख पाता

(iv) मिथ्याभिमान, आत्म गौरव के कारण नहीं देख पाता

(ख) आत्मविश्लेषण के लिए क्या आवश्यक है ? 1

(i) हृदय की उदारता, सहनशीलता, महानता (ii) हृदय की कोमलता, दब्बूपन

(iii) मन के उतार - चढ़ाव (iv) गुणों - अवगुणों का अनुभव करना

(ग) पर निंदा में मानव आनन्द लेता है क्योंकि - 1

(i) अपनी कोई हानि नहीं होती (ii) अहंकार को तृप्ति मिलती है

(iii) आनंद आता है (iv) परनिंदा उसको सरल लगती है

(घ) मनुष्य के अहंकार को चोट पहुँचती है - 1

(i) आत्मविश्लेषण करने पर (ii) स्वयं के दोष देखने पर

(iii) दूसरों में दोष ढूँढने पर (iv) आत्मविश्लेषण करके स्वयं में दोष ढूँढने पर

(ङ) गद्यांश का उचित शीर्षक हो सकता है - 1

(i) सर्वगुण सम्पन्नता (ii) सहनशीलता

(iii) आत्मविश्लेषण की कठिनाई (iv) आत्मविश्लेषण की महानता

2. अपठित गद्यांश : 5

कहते हैं एक बार लक्ष्मी और विष्णु जा रहे थे। दोनों इस बहस में पड़ गए कि संसार की माया सत्य है या भगवान सत्य है। विष्णु जी कहने लगे - भगवान सत्य है। लक्ष्मी कहने लगी - संसार की माया सत्य है। दोनों ने तय किया कि संसार में जाकर ही इसकी परीक्षा की जाये कि दुनियावाले माया को सत्य मानते हैं या भगवान को। दोनों में बाजी लगी कि भू-लोक में चलें, वहाँ एक सेठ ने आलीशान मंदिर बनाया है, भगवान का भक्त है, मंदिर के साथ महात्माओं के ठहरने के लिए धर्मशाला बनी है। विष्णु जी वहाँ जाकर ठहरे। अगर लक्ष्मी जी उन्हें सेठ द्वारा उस कमरे से निकलवा दें, तो समझा जाएगा कि माया सत्य है, अगर विष्णु जी को लक्ष्मी जी न निकलवा सकी तो समझा जाएगा कि भगवान सत्य है। विष्णु जी ने सेठ जी से कहा हम एक मास का भगवद् भजन करने के लिए तुम्हारी धर्मशाला में निवास करना चाहते हैं। सेठ जी ने भगवद् भजन के लिए कमरा दे दिया और विष्णु जी भगवद् भजन करने लगे। कुछ दिन बाद लक्ष्मी जी वहाँ पहुँची और एक मास भगवान का भजन करने के लिए सेठजी से उसी कमरे की माँग की जिसमें विष्णु जी ठहरे हुए थे। लक्ष्मी जी ने कहा - कोई बात नहीं, उन्हें निकाल दो, हम तो उसी में आसन जमाएंगी, अगले दिन चली जाएंगी।

(क) उपर्युक्त गद्यांश का शीर्षक हो सकता है - 1

(i) सत्य का आभास (ii) संसार का सत्य

(iii) माया का सत्य (iv) भगवान् का सत्य

(ख) लक्ष्मी और विष्णु में बहस छिड़ी कि - 1

(i) संसार में भगवान् सत्य है। (ii) संसार में माया सत्य है।

(iii) संसार में रहने वाला मनुष्य सत्य है। (iv) माया और भगवान में कौन सत्य है ?

(ग) विष्णु जी और लक्ष्मी जी ने क्या तय किया ? 1

(i) पृथ्वी लोक में चलें (ii) स्वर्ग लोक में चलें

(iii) कल्पना लोक में चलें (iv) इन्द्र लोक में चलें

(घ) विष्णु जी ने भगवद् भजन के लिए समय माँगा - 1

(i) छह मास (ii) दस मास

(iii) एक मास (iv) एक सप्ताह

(ङ) लक्ष्मी जी जिद करने लगीं - 1

(i) विष्णु जी को निकालने के लिए (ii) अन्दर बैठाने के लिए

(iii) स्वर्ग लोक भ्रमण के लिए (iv) स्वयं विष्णु के साथ बिराजने के लिए

3. **अपठित काव्यांश :** **5**

वह आता -
दो टूक कलेजे के करता पछताता
पथ पर आता ।
पेट पीठ दोनों मिलकर हैं एक
चल रहा लकुटिया टेक
मुट्ठी - भर दाने को - भूख मिटाने को,
मुँह फटी पुरानी झोली का फैलाता-
दो टूक कलेजे के करता पछताता पथ पर आता ।
साथ दो बच्चे भी हैं सदा हाथ फैलाए
बाएँ से वे मलते हुए पेट को चलते,
और दाहिना दया - दृष्टि पाने की ओर बढ़ाए।
भूख से सूख ओंठ जब जाते
दाता - भाग्य - विधाता से क्या पाते ?
घूँट आँसुओं के पीकर रह जाते ।
चाट रहे जूठी पत्तल वे सभी सड़क पर खड़े हुए,
और झपट लेने को उनसे कुत्ते भी हैं अड़े हुए।

उपर्युक्त काव्यांश के आधार पर दिए गए प्रश्नों के नीचे दिए गए विकल्पों में से उपयुक्त विकल्प छाँटकर लिखिए -

(क) इस काव्यांश का शीर्षक होगा - **1**

(i) गरीबी (ii) विषमता
(iii) भिक्षुक (iv) बेबसी

(ख) किस पर व्यंग्य किया गया है ? **1**

(i) सामाजिक विषमता पर (ii) आर्थिक न्याय पर
(iii) राजनैतिक सत्य पर (iv) मध्यवर्गीय जीवन पर

(ग) भिखारी की इच्छा है - **1**

(i) सोना पाने की (ii) पैसा पाने की
(iii) अनाज पाने की (iv) कपड़ा पाने की

(घ) बच्चे भिखारी के साथ क्यों हैं ? **1**

(i) घूमने के लिए (ii) भीख माँगने के लिए
(iii) रास्ता ढूँढने के लिए (iv) पिता के साथ के लिए

(ङ) भिखारी के बच्चों से कुत्ते क्यों होड़ करते हैं ? **1**

(i) जूठी पत्तल छीनने के लिए (ii) चिढ़ाने के लिए
(iii) लड़ने के लिए (iv) भगाने के लिए

4. अपठित काव्यांश : **5**

मैं तो मात्र मृत्तिका हूँ
जब तुम
मुझे पैरों से रौंदते हो
तथा हल के फाल से विदीर्ण करते हो
तब मैं -
धन - धान्य बनकर मातृरूपा हो जाती हूँ ।
जब तुम
मुझे हाथों से स्पर्श करते हो
तथा चाक पर चढ़ाकर घुमाने लगते हो
तब मैं -
कुंभ और कलश बनकर
जल लाती तुम्हारी अंतरंग प्रिया हो जाती हूँ ।
जब तुम मेले में मेरे खिलौने रूप पर
आकर्षित होकर मचलने लगते हो
तब मैं -
तुम्हारे शिशु - हाथों में पहुँच प्रजारूपा हो जाती हूँ ।

उपर्युक्त काव्यांश के आधार पर पूछे गए प्रश्नों के **उत्तर दिए गए विकल्पों में से छाँटकर लिखिए।**

(क) 'मुझे' शब्द किसके लिए प्रयुक्त हुआ है ? **1**

(i) कंकर (ii) मिट्टी
(iii) पत्थर (iv) चूना

(ख) किसान मिट्टी को विदीर्ण करता है - **1**

(i) प्रजा के भरण - पोषण के लिए (ii) खाद्यान्न उगाने के लिए
(iii) खनिज उगाने के लिए (iv) उपर्युक्त तीनों

(ग) मिट्टी अंतरंग प्रिया बन जाती हैं - **1**

(i) जल का घड़ा लाती युवती के रूप में (ii) फसल उगाते किसान के रूप में
(iii) खिलौने बनाती युवती के रूप में (iv) कष्ट सहते किसान के रूप में

(घ) मिट्टी के प्रति कवि का कौन - सा भाव प्रकट हुआ है ? **1**

(i) शान्त भाव (ii) श्रद्धा भाव
(iii) दया भाव (iv) वात्सल्य भाव

(ङ) कुंभ और कलश किसके प्रतीक हैं ? **1**

(i) प्रेम और पवित्रता के (ii) श्रद्धा और शुचिता के
(iii) सहनशीलता और स्वच्छता के (iv) अपनत्व और काल्पनिकता के

खंड - 'ख'

5. (क) कौन सा शब्द संज्ञा नहीं है ? 1

(i) ताजमहल (ii) बैंगलोर

(iii) सुंदरता (iv) मीठा

(ख) तेज चलने वाली गाड़ी प्रायः देर से पहुँचती है। रेखांकित में पदबंध का भेद है - 1

(i) संज्ञा (ii) सर्वनाम

(iii) विशेषण (iv) क्रिया विशेषण

(ग) अयोध्या के राजा दशरथ के चार पुत्र थे । रेखांकित में पदबंध का भेद है - 1

(i) संज्ञा (ii) विशेषण

(iii) क्रिया (iv) सर्वनाम

(घ) रिक्त स्थान की पूर्ति सर्वनाम से कीजिए।

मुझे _____ खाने को दीजिए । 1

(i) कुछ (ii) रोटी

(iii) मिठाई (iv) सब्जी

6. (i) आह ! उपवन में सुंदर फूल खिले हैं। रेखांकित पद का परिचय है 1

(क) जातिवाचक संज्ञा, पुल्लिंग, एकवचन 'उपवन' विशेष्य

(ख) व्यक्तिवाचक संज्ञा, स्त्रीलिंग, एकवचन

(ग) गुणवाचक विशेषण, पुल्लिंग, बहुवचन, फूल - विशेष्य

(घ) सार्वनामिक विशेषण, पुल्लिंग, बहुवचन, उपवन - विशेष्य

(ii) हम अपने देश पर मर मिटेंगे । रेखांकित पद का परिचय है - 1

(क) अकर्मक क्रिया, पुल्लिंग, बहुवचन (ख) सकर्मक क्रिया, स्त्रीलिंग, एकवचन

(ग) संयुक्त क्रिया, पुल्लिंग, बहुवचन (घ) प्रेरणार्थक क्रिया, पुल्लिंग, बहुवचन

(iii) राधा बाजार गई और पुस्तक खरीद लाई। रचना के आधार पर वाक्य का भेद है - 1

(क) प्रश्न वाचक (ख) संदेह वाचक

(ग) मिश्रित वाक्य (घ) संयुक्त वाक्य

(iv) जैसे ही हम घर से बाहर निकले, बारिश होने लगी । रचना के आधार पर वाक्य का भेद है - 1

(क) मिश्रित वाक्य (ख) सरल वाक्य

(ग) संयुक्त वाक्य (घ) संदेह वाचक

7. (i) 'गड्ढा खोदकर मजदूर चले गए। ' इसका मिश्रित वाक्य होगा :- 1

(क) मजदूरों ने गड्ढा खोदा और वे चले गए।

(ख) जब मजदूरों ने गड्ढा खोद लिया तब वे चले गए ।

(ग) मजदूरों द्वारा गड्ढा खोदने पर वे चले गए।

(घ) मजदूर गड्ढा खोदकर घर चले गए ।

(ii) निम्नलिखित वाक्यों में मिश्रित वाक्य है - 1

(क) मैं एक बहुत होशियार डॉक्टर से मिला ।

(ख) मैं एक डॉक्टर से मिला और बहुत होशियार है ।

(ग) मैं एक डॉक्टर से मिला जो बहुत होशियार है।

(घ) होशियार होने के कारण मैं उस डॉक्टर से मिला।

(iii) प्रत्युत्तर का संधि विच्छेद है - 1

(क) प्रत + उत्तर (ख) प्रत्यु + उत्तर

(ग) प्रति + उत्तर (घ) प्र + तिउत्तर

(iv) स्व + इच्छा की संधि है : 1

(क) स्वैच्छा (ख) स्विच्छा

(ग) स्वइच्छा (घ) स्वेच्छा

8. (i) ' पावक' में स्वर संधि का कौन सा भेद है ? 1

(क) दीर्घ संधि (ख) गुण संधि

(ग) यण संधि (घ) अयादि संधि

(ii) 'वनवास' समस्त पद का विग्रह है : 1

(क) वन में वास (ख) वन के लिए वास

(ग) वन से वास (घ) वन पर वास

(iii) 'चन्द्र के समान मुख' का समस्त पद है 1

(क) चन्द्र का मुख (ख) चन्द्र रूपी मुख

(ग) चन्द्रमुख (घ) मुख रूपी चन्द्र

(iv) निम्नलिखित में किस समस्त पद में कर्मधारय समास है । 1

(क) महाराज (ख) पाठशाला

(ग) आकाशवाणी (घ) रोगमुक्त

9. (i) युद्ध में भारत ने पाकिस्तान को _____ ।

उपयुक्त मुहावारे से रिक्त स्थान की पूर्ति करे - 1

(क) चाँदी के चने चबाना (ख) लोहे के चने चबाना

(ग) दाँतों पसीना आना (घ) आँखो में धूल झोंकना

(ii) _____ की कोई बात नहीं, यह लो अपनी पुस्तक और चलते बनो । 1

(क) आँच न आने देना (ख) बरस पड़ना

(ग) खूब उबलना (घ) आग बबूला होना

(iii) 'आवाज उठाना' मुहावरे का अर्थ है - 1

(क) ऊँची आवाज़ में बोलना (ख) रुक - रुक कर बोलना

(ग) अन्याय के विरुद्ध आवाज़ उठाना (घ) क्रोध में आवाज़ उठाना

(iv) 'उड़ती चिड़िया पहचानना' लोकोक्ति का अर्थ है - 1

(क) चिड़िया को उड़ाना (ख) मन को संतुष्टि

(ग) मन के भाव को जानना (घ) मन की चंचलता

खण्ड - 'ग'

10. किसी एक काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उचित विकल्प चुनकर लिखिए। 5

ऐसी बाँणी बोलिये, मन का आपा खोइ ।
अपना तन सीतल करै, औरन कौं सुख होइ ॥
कस्तूरी कुंडलि बसै, मृग ढूँढै बन माँहि ।
ऐसै घटि घटि राँम है, दुनियाँ देखै नाँहिं ॥

(i) कवि ने कैसी वाणी बोलने की बात कही है ? 1

(क) अहंकार रहित और शीतल (ख) कड़वी और शीतल

(ग) खट्टी और मधुर (घ) कसैली और शीतल

(ii) उपर्युक्त दोहों की भाषा है - 1

(क) ब्रज भाषा (ख) खड़ी बोली

(ग) सधुक्कड़ी (घ) अवधी

(iii) मृग वन में ढूँढता है - **1**

(क) सोने को (ख) कस्तूरी को

(ग) मोती को (घ) मृगी को

(iv) संसार किस तथ्य से अन्जान है ? **1**

(क) ईश्वर है (ख) ईश्वर नहीं है

(ग) ईश्वर आत्मा में है (घ) ईश्वर संसार में है

(v) 'तन सीतल' का क्या अभिप्राय है ? **1**

(क) ठंडा शरीर (ख) मन की शांति

(ग) मन का सुख (घ) शरीर का सुख

अथवा

कंपनी बाग के मुहाने पर
धर रखी गई है यह 1857 की तोप
इसकी होती है बड़ी सम्हाल, विरासत में मिले
कंपनी बाग की तरह
साल मे चमकाई जाती है दो बार ।
सुबह - शाम कंपनी बाग में आते हैं बहुत से सैलानी ।
उन्हें बताती है यह तोप
कि मैं बड़ी जबर
उड़ा दिए थें मैंने
अच्छे - अच्छे सूरमाओं के धज्जे
अपने ज़माने में

(i) 'तोप' से क्या प्रेरणा मिलती है ? **1**

(क) बड़े से बड़े अत्याचारी का अंत अवश्य होता है ।

(ख) अत्याचारी का कभी अंत नहीं होता ।

(ग) अंग्रेजों को देश में घुसने नहीं देना चाहिए ।

(घ) अत्याचार का मुकाबला करना चाहिए ।

(ii) 'तोप' कहाँ रखी है ? **1**

(क) कम्पनी बाग में (ख) कम्पनी बाग के प्रवेश द्वार पर

(ग) ईस्ट इण्डिया कम्पनी के हाथ में (घ) प्रवेश द्वार पर

(iii) 'तोप' कब की है ? **1**

(क) 1847 के समय (ख) 1867 के समय

(ग) 1857 के समय (घ) 1875 के समय

(iv) कम्पनी बाग में आते हैं - **1**

(क) अंग्रेज (ख) भारतीय

(ग) बच्चे (घ) सैलानी

(v) कवि का नाम है - **1**

(क) मंगलेश डबराल (ख) बीरेन डंगवाल

(ग) ऋतुराज (घ) रामवृक्ष बेनीपुरी

11. निम्नलिखित प्रश्नों में किन्हीं दो को उत्तर संक्षेप में दीजिए **2x2.5=5**

(क) बड़े भाई साहब छोटे भाई से हर समय पहला सवाल क्या पूछते थे ? उसके बाद क्या करते ?

(ख) पुलिस ने बड़े - बड़े पार्कों तथा मैदानों को क्यों घेर लिया था ?

(ग) वामीरों ने ततॉंरा को बेरूखी से क्या जवाब दिया ?

(घ) राजकपूर की किस बात पर शैलेन्द्र का चेहरा मुरझा गया ? क्यों ?

12. शैलेन्द्र के गीतों की क्या विशेषताएँ हैं ? **5**

अथवा

बड़े भाई साहब ने ज़िंदगी के अनुभव और किताबी ज्ञान में से किसे और क्यों महत्वपूर्ण कहा है ?

13. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए - 5

अब भाई साहब कुछ नरम पड़ गए थे। शायद वह अब कुछ समझने लगे थे कि मुझे डाँटने का अधिकार उन्हें नहीं रहा, मेरी स्वच्छन्दता बढ़ी । मैं उनकी सहिष्णुता का अनुचित लाभ उठाने लगा। मुझे कुछ ऐसी धारणा हुई कि मैं पास ही हो जाऊँगा, पढ़ूँ या न पढ़ूँ, मेरी तकदीर बलवान है, इसलिए भाई साहब के डर से जो थोड़ा बहुत पढ़ लिया करता था, वह बंद हुआ। मुझे कनकौए उड़ाने का नया शौक पैदा हो गया था और अब सारा समय पतंगबाज़ी को ही भेंट होता था, फिर भी मैं भाई साहब का अदब करता और कनकौए उड़ाता। मांझा देना, कन्ने बाँधना पतंग टूर्नामेंट की तैयारियाँ आदि समस्याएँ सब गुप्त रूप से हल की जाती थी। मैं भाई साहब को यह संदेह न करने देना चाहता था कि उनका सम्मान और लिहाज़ मेरी नज़रों में कम हो गया है।

(क) भाई साहब की नरमी का क्या कारण था ? 1

(ख) लेखक को कौन सा नया शौक पैदा हो गया ? 2

(ग) लेखक की अपने बारे में क्या धारणा बन गई थी ? 2

अथवा

निकोबारी उसे बेहद प्रेम करते थे। तताँरा एक नेक और मददगार व्यक्ति था। दूसरों की सहायता के लिए सदैव तत्पर 'दूसरे गाँवों में भी पर्व - त्योहारों के समय उसे विशेष रूप से आमंत्रित किया जाता। व्यक्तित्व आकर्षक होने के साथ ही आत्मीय स्वभाव की वजह से लोग उसके करीब रहना चाहते। पारंपरिक पोशाक के साथ वह अपनी कमर में सदैव एक लकड़ी की तलवार बाँधे रहता। लकड़ी की होने पर उस तलवार में अद्‌भुत दैवीय शक्ति थी। वह अपनी तलवार को कभी अलग न होने देता। उसका दूसरों के सामने उपयोग भी न करता किंतु उसके चर्चित साहसिक कारनामों के कारण लोग - बाग तलवार में अद्‌भुत शक्ति का होना मानते थे। तताँरा की तलवार एक विलक्षण रहस्य थी ।

(क) तताँरा का व्यक्तित्व स्पष्ट करें । 1

(ख) दूसरे गाँवों में किसे और क्यों विशेष रूप से आमंत्रित किया जाता था ? 2

(ग) उसकी पोशाक कैसी थी और वह क्या बाँधता था ? 1

(घ) उसकी तलवार में कौन सी शक्ति थी ? 1

14. (क) मीराबाई ने श्रीकृष्ण के रूप सौन्दर्य का वर्णन किस प्रकार किया है ? 2

(ख) दीपक दिखाई देने पर अंधियारा कैसे मिट जाता है ? साखी के संदर्भ में स्पष्ट कीजिए । 2

(ग) 'तोप' कहाँ सम्हाल कर रखी गई है ? 1

15. "समाज में रिश्तों की अहमियत" इस विषय पर अपने विचार व्यक्त करें । 3

अथवा

हरिहर काका की कहानी का क्या उद्देश्य है ?

16. हरिहर काका को महंत और भाई एक ही श्रेणी में क्यों लगने लगे ? 2

खण्ड – घ

17. दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर लगभग **100** शब्दों में एक अनुच्छेद लिखें : **5**

(क) बिना विचारे जो करे सो पाछे पछताय

- मानव मन चंचल
- विवेकपूर्ण कर्म से सफलता
- पशु से भिन्न
- पछतावा

(ख) राष्ट्रीय एकता

- विभिन्नताएँ : अनेकता में एकता
- सांस्कृतिक, राष्ट्रीय एकता
- क्षेत्रीयता, साम्प्रदायिकता बाधक
- हमारा कर्तव्य

(ग) माता - पिता : शिक्षा में भूमिका

- शिक्षा का महत्व
- उत्तरदायित्व
- कर्तव्य निर्वाह

18. सरकार ने सार्वजनिक स्थलों पर 'धूम्रपान निषेध ' के बोर्ड लगाए हैं, क्या इसका कुछ प्रभाव दिखाई पड़ता है। इस विषय पर स्वास्थ्य मंत्री को पत्र लिखकर कानून को और सख्त बनाने का सुझाव दें। **5**

अथवा

आप दसवीं की परीक्षा में बहुत अच्छे अंकों से उत्तीर्ण हुए हैं। अतः ग्यारहवी कक्षा के लिए मुफ्त पुस्तकें दिलवाने के लिए प्रधानाचार्य को पत्र लिखिए ।

- o 0 o -